ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वर्धा में राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन का 47 वां पांच दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम उद्घाटित

छपे हुए शब्दों की महत्ता कभी कम नहीं होगी : कुलपति प्रो. सिंह

वर्धा, 7 अक्टूबर 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने कहा कि छपे हुए शब्दों की महत्ता कभी कम नहीं होगी। हमारी परंपरा में कहा गया है कि ज्ञान के शिवाय पवित्र कुछ नहीं है। पुस्तकालय कर्मियों की क्षमता का विकास करना और लोगों को पुस्तकालय तक ले जाना समय की आवश्यकता है। प्रो. सिंह भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन कार्य करने वाली संस्था राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी प्रतिष्ठान, कोलकाता और महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा सार्वजनिक पुस्तकालय कर्मियों के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन (एनएमएल) के 47वें क्षमता निर्माण कार्यक्रम के उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के गालिब सभागार में 7 से 11 अक्तूबर 2024 तक आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन सोमवार को किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जमनालाल बजाज मेमोरियल पुस्तकालय एवं अनुसंधान केंद्र, सेवाग्राम के निदेशक डॉ. सिबी जोसेफ, कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील, एसोशिएट प्रोफेसर एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मनोज कुमार राय मंचासीन थे।

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि मनुष्य के जीवन में पुस्तकालय की भूमिका महत्वपूर्ण है। पुस्तकालय पाठक को समृद्ध करता रहता है और पुस्तकालय अहंकार की भावना कभी आने नहीं देता। उन्होंने पुस्तकालय के जनक डॉ. एस. आर. रंगनाथन के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने भारत में पुस्तकालय विज्ञान की नींव डाली और जनसामान्य के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों के द्वार खोल दिए। डॉ. सिबी जोसेफ ने कहा कि ज्ञान की पहुंच लोगों तक आसान बनाने का काम पुस्तकालय करते हैं। हमें आधुनिक तकनीकी का प्रयोग करते हुए पुस्तकालयों को डिजिटल बनाना चाहिए।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी प्रतिष्ठान, कोलकाता के महानिदेशक एवं राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन के अतिरिक्त मिशन निदेशक प्रो. बी वी शर्मा अपरिहार्य कारण से उद्घाटन सत्र में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने टेलीफोन पर अपने संदेश में कहा कि क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन के तहत घटकों में से एक है। पुस्तकालयों और सूचना विज्ञान क्षेत्र के विकास पर निरंतर ध्यान देने के लिए राष्ट्रीय ज्ञान आयोग की सिफारिश के अनुसरण में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत 2014 में भारत के तत्कालीन माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा शुरू किया गया था। एनएमएल मॉडल पुस्तकालयों की स्थापना, सार्वजनिक पुस्तकालयों का गुणात्मक और मात्रात्मक सर्वेक्षण और नेशनल वर्चुअल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया का निर्माण करना इसका उद्देश है, जिसे भारतीय संस्कृति पोर्टल के नाम से लॉन्च किया गया है। महाराष्ट्र में सरकारी संभागीय पुस्तकालय, संभाजीनगर और जिला पुस्तकालय, नंदुरबार को एनएमएल के तहत मॉडल पुस्तकालय के रूप में उन्नत किया गया है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में छत्तीसगढ़, तेलंगाना, गोआ और महाराष्ट्र से लगभग 50 सार्वजनिक पुस्तकालय पेशेवर सहभागिता कर रहे हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशन के परियोजना अधिकारी दीपांजन चटर्जी उपस्थित थे। देश के विभिन्न भागों में अब तक राष्ट्रव्यापी 46 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। क्षमता, विकास कार्यक्रम के अंतर्गत पुस्तकालय स्वचालन सॉफ्टवेयर, गुणवत्ता, बुनियादी ढांचे, संसाधनों, अद्यतन आईसीटी उपकरणों और तकनीकों, सोशल मीडिया, पुस्तकालय संसाधनों के संरक्षण और आधुनिक पुस्तकालय सेवाओं के प्रबंधन के संबंध में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कार्यक्रम का प्रारंभ महात्मा गांधी, राजाराम मोहन राय व डॉ. एस. आर. रंगनाथन के फोटो पर पुष्पार्पण, दीप प्रज्ज्वलन एवं कुलगीत से किया गया। कार्यक्रम का संचालन योगिता चकोले ने किया। स्वागत भाषण डॉ. मनोज कुमार राय ने दिया तथा कुलसचिव प्रो. आनन्द

पाटील ने आभार माना। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रतिभागी उपस्थित थे।

मराठी :

वर्धा येथे राष्ट्रीय ग्रंथालय अभियानाच्या ४७व्या पाच दिवसीय क्षमता निर्मिती कार्यक्रमाचे उद्घाटन

छापील शब्दांचे महत्त्व कधीही कमी होणार नाही : कुलगुरू प्रो. सिंह

वर्धा, 7 ऑक्टोबर 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरू प्रो. कृष्ण कुमार सिंह म्हणाले की छापील शब्दांचे महत्त्व कधीही कमी होणार नाही. आपल्या परंपरेत असे म्हटले जाते की ज्ञानाशिवाय काहीही पवित्र नाही. ग्रंथालय कर्मचाऱ्यांची क्षमता विकसित करणे आणि लोकांना ग्रंथालयांकडे नेणे ही काळाची गरज आहे. प्रो. सिंह भारत सरकारच्या संस्कृती मंत्रालयाच्या अंतर्गत कार्यरत राजाराम मोहन राय लायब्ररी फाउंडेशन, कोलकाता आणि महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा यांच्या वतीने सार्वजनिक ग्रंथालय कर्मचाऱ्यांसाठी राष्ट्रीय ग्रंथालय अभियानाच्या 47 व्या क्षमता निर्माण कार्यक्रमाच्या उद्घाटन कार्यक्रमाचे अध्यक्ष म्हणून प्रो. सिंह संबोधित करतांना बोलत होते. 7 ते 11 ऑक्टोबर या कालावधीत विश्वविद्यालयाच्या गालिब सभागृहात आयोजित कार्यक्रमाचे उद्घाटन सोमवारी करण्यात आले. यावेळी सेवाग्राम येथील जमनालाल बजाज मेमोरियल लायब्ररी अँड रिसर्च सेंटरचे निदेशक डॉ. सिबी जोसेफ, कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील, असोशिएट प्रोफेसर व कार्यक्रमाचे संयोजक डॉ. मनोज कुमार राय व्यासपीठावर उपस्थित होते.

कुलगुरू प्रो. सिंह म्हणाले की मानवी जीवनात ग्रंथालयाची भूमिका महत्त्वाची आहे. वाचनालय वाचकाला समृद्ध करत राहतात आणि ग्रंथालय कधीही अहंकाराची भावना मनात डोकावू देत नाही. ग्रंथालयाचे जनक डॉ. एस. आर. रंगनाथन यांच्या योगदानाचा उल्लेख करून ते म्हणाले की त्यांनी भारतात ग्रंथालय शास्त्राचा पाया घातला आणि सार्वजनिक ग्रंथालयांची दारे सर्वसामान्यांसाठी खुली केली. डॉ. सिबी जोसेफ म्हणाले की ज्ञान लोकांपर्यंत पोहोचवण्याचे काम ग्रंथालये करतात. आधुनिक तंत्रज्ञानाचा वापर करून ग्रंथालये डिजिटल केली पाहिजेत. असे ही ते म्हणाले.

राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी प्रतिष्ठान, कोलकाताचे महानिदेशक व राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशनचे अतिरिक्त मिशन निदेशक प्रो. बी. व्ही. शर्मा अपरिहार्य कारणाने उद्घाटन सत्राला उपस्थित राहू शकले नाहीत. त्यांनी दूरध्वनीवरून आपल्या संदेशात सांगितले की क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय मिशन ऑन लायब्ररी अंतर्गत घटकांपैकी एक आहे. भारताचे तत्कालीन माननीय राष्ट्रपती श्री प्रणव मुखर्जी यांनी 2014 मध्ये ग्रंथालये आणि माहिती विज्ञान क्षेत्राच्या विकासासाठी सतत लक्ष देण्याच्या राष्ट्रीय ज्ञान आयोगाच्या शिफारशीचा पाठपुरावा करण्यासाठी, भारत सरकारच्या सांस्कृतिक मंत्रालयाच्या अंतर्गत हे अभियान सुरू केले. महाराष्ट्रात शासकीय विभागीय ग्रंथालय, संभाजीनगर आणि जिल्हा ग्रंथालय, नंदुरबार यांना राष्ट्रीय ग्रंथालय मिशन अंतर्गत मॉडेल लायब्ररी म्हणून उन्नत करण्यात आले आहे. असे ते म्हणाले.

या प्रशिक्षण कार्यक्रमात महाराष्ट्र, छत्तीसगड, तेलंगाना गोवा या राज्यातून जवळपास 50 सार्वजनिक ग्रंथालयांचे कर्मचारी सहभागी झाले आहेत. या प्रसंगी राष्ट्रीय पुस्तकालय मिशनचे प्रकल्प अधिकारी दीपांजन चटर्जी उपस्थित होते. देशाच्या विविध भागात आतापर्यंत 46 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करण्यात आले आहेत. या कार्यक्रमातून ग्रंथालय स्वचालन सॉफ्टवेअर, गुणवत्ता पायाभूत सुविधा, संसाधने अद्ययावत आयटीसी उपकरणे तसेच तांत्रिक, सोशल मीडिया, ग्रंथालय संसाधनांचे संरक्षण व आधुनिक ग्रंथालय सेवांचे व्यवस्थापन यासंबंधी प्रशिक्षण दिले जात आहे.

कार्यक्रमाची सुरुवात महात्मा गांधी, राजाराम मोहन राय आणि डॉ. एस. आर. रंगनाथन यांच्या फोटोला पुष्पार्पण, दीपप्रज्ज्वलन आणि कुलगीताने करण्यात आली. योगिता चकोले यांनी कार्यक्रमाचे संचालन केले. स्वागतपर भाषण डॉ. मनोज कुमार राय यांनी केले तर

कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील यांनी आभार मानले. राष्ट्रगीताने कार्यक्रमाची सांगता झाली. या प्रसंगी मोठ्या संख्येने अधिकारी, कर्मचारी व सहभागी उपस्थित होते.

नमस्कार ! मा. संपादक/संवाददाता महोदय, कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करने का कष्ट करें। सादर धन्यवाद।